CAREER & EDUCATION

अमर उजाला उड़ान

वर्ष 09 | अंक 32 | बुधवार | 28 जुलाई 2021 | ₹1

बिजनेस में सफलता के सूत्र

PAGE 03

सक्सेज सीक्रेट

ऐसा काम जो आप जीवन में जरूर करना चाहते हैं, उसकी सफलता ही आपका जीवन सार्थक बनाती है...

PAGE 10

एजुकेशन

उद्यम शुरू करने का सबसे अच्छा बिंदु अपनी क्षमतानुसार क्षेत्र की पहचान करना होता है...

VISIT…

अज्ञानता और बाधाओं के पार है मनचाही मंजिल

यदि विश्व में कोई ऐसा सद्गुण है, जिसके प्रति सदैव हमारा लक्ष्य होनी चाहिए, तो वह मन की प्रसन्नता है।
-लार्ड लिटर

प्राय: हर किसी के जीवन में यह देखने को मिलता है कि जब हम किसी मंजिल पर पहुंचने का मन बनाते हैं, तो रास्ते की अज्ञानता और अनचाही बाधाओं से अनजान रहते हैं, जिनका मिलना स्वभाविक ही होता है। ऐसे में मंजिल पर पहुंचने के लिए इन दोनों से ही बाहर निकलना अहमियत रखता है। उसके बाद ही आप मनचाही मंजिल को हासिल करने में कामयाब हो सकते हैं। आमतौर पर हमें पता नहीं होता है कि हम मंजिल को किस तरह से तय करेंगे, लेकिन हम पहले ही मंजिल का निर्धारण कर लेते हैं। ऐसे में हम कई तरह के अनजाने रास्तों पर निकल पड़ते हैं और उसमें बाधाओं का सामना न हो यह तो हो ही नहीं सकता। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि मंजिल का निर्धारण करते समय उस तक पहुंचने की पूरी योजना, रास्ते में आने वाली समस्याओं का आकलन एंव सकारात्मक पक्षों के बारे में पूरी तरह से अपनी समझ विकसित कर ली जाए।

एक कामयाब राही की यही पहचान होती है कि वह हर परिस्थिति के लिए तैयार होकर चलता है और जब तक मंजिल तक न पहुंच जाए अपनी हार नहीं मानता यानी आपमें हौसला और जीता का ज़ज्बा पूरी तरह से कूट कूटकर भरा होना चाहिए। मंजिल तक पहुंचने के लिए अपना सर्वस्व (अपनी क्षमता का 100 फीसदी लगाना) निछावर कर देना ही आपकी कामयाबी को तय करता है। जिस तरह से युद्ध में एक सैनिक मरते दम तक हार नहीं मानता, ठीक उसी तरह एक राही को भी मंजिल तक पहुंचने तक हार नहीं माननी चाहिए।

अमर उजाला
समूह का प्रकाशन
नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर 59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से मुद्रित।

संपादक. देव प्रकाश चौधरी
फोन. 120-4694000, 2583354 फैक्स. 0120-2587325

RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. asktoudaan@amarujala.com

सपनों को सच करना ही सफलता है

ऐसा काम जो आप जीवन में जरूर करना चाहते हैं, उस सपने की सफलता ही आपका जीवन सार्थक बनाती है...

हम में से कई लोग सफलता को आर्थिक सफलता से आंकते हैं,जबकि आर्थिक उन्नति आपके कार्य-क्षेत्र की वृद्धि मानी जा सकती है सच्ची सफलता नहीं। सच्ची सफलता आपके सपनों का सार्थक होना होता है क्योंकि वास्तव में वह काम हम लंबे समय तक कर ही नहीं सकते जिससे हमें प्यार न हो। अपनी सोच में अपनी सफलता का स्पष्ट होना अति आवश्यक है, और यही हमें जीवन में जितनी भी सफलता प्राप्त हो उसमें संतुष्टि देता है। आपके जीवन का जो ध्येय है जिसे आप पैसों से नहीं बल्कि आत्मिक संतुष्टि से नापें वही सच्ची सफलता है। हो सकता है आप जॉब कर रहे हों मगर आप कोई अलग सोच, कोई नया बिजनेस आइडिया, बेहतर समाज के लिए कोई प्रयत्न जो आप जीवन में जरूर कारण चाहते हैं, उस स्वप्न की सफलता ही आपका जीवन सार्थक बनाती है।

मुद्रा और आर्थिक सफलता के मायने

मुद्रा यानी पैसों से यदि आपकी वृद्धि हो रही है तो आपका व्यय भी उसमे शामिल होगा,धन संपत्ति आपकी सामाजिक उन्नति की निर्देशिका मानी जाएगी। ऐसा भी हो सकता है की आप पैसे तो कमा रहे हैं, मगर फिर भी दिग-भ्रमित हैं और उसका कारण है कि आपकी सफलता में आपने सिर्फ कार्य को देखा उसमें अपने जीवन के स्वप्न या लक्ष्य को नहीं।
आर्थिक सफलता कई रूपों से दबाव भी डालती है कार्य प्रणाली में जीवन बनाये रखने के लिए वित्तीय पक्ष को देखना ज़रूरी हो सकता है किन्तु वही संपूर्ण सफलता के मानक नहीं हो सकते, क्योंकि आगे जाकर यदि सिर्फ वित्तीय सफलता ही आपके लिए सबकुछ बन जाएगी तब आप सिर्फ पैसे कमाने वाली मशीन बन जायेंगे।

बर्षा छाबड़िया
रेडियो प्रोफेशनल
भारत सरकार द्वारा सम्मानित

मन मुताबिक सफलता रचनात्मक बनाती है

हर किसी के जीवन का लक्ष्य होना जरूरी है सैकड़ों कामों में एक वह काम जिसे कारण हमें कभी कोई दबाव महसूस न हो, वह वही काम है जिससे हमें प्रेम हो, जो हमारा स्वप्न हो। आपका ऐसा कोई लक्ष्य जो आप इसी जीवन में निसंदेह करना चाहते हैं, जो आपका स्वप्न है उसे पूरा करने के लिए आप रचनात्मक तरीके भी सीख जाते हैं, और यही कारण भी है आपकी रुचि उसी कार्य में बने रहने का।

स्वप्न- सफलता आपकी पहचान बन जाती है

दुनिया में नाम तो सभी के होते हैं, मगर पहचान कुछ ही बना पाते हैं, यह सच है। यह वही होते हैं जो अपने सपनों को जीते हैं, केवल आर्थिक को नहीं वरन समाज में अपना योगदान देना, कुछ नया करना, अपनी अलग सोच को सार्थक बनाना इनको सच करना ही सफलता मानते हैं।

सपनों को पूर्ण करने पर नयी दिशा मिलती है

वही दृष्टि आपका लक्ष्य बन जाती है और उसकी सफलता की संतुष्टि जीवन स्वरुप होती है। जब आप अपनी सोच जो आपका स्वप्न बन चुकी हो उसे सफल करने में जुट जाते हैं, तब नयी कल्पनाएं और तरीके सभी आपको नयी दिशा भी देते हैं। असल में आपके जीवन का जो ध्येय है जिसे आप पैसों से नहीं बल्कि आत्मिक संतुष्टि से नापते हैं, वही सच्ची सफलता है।

जब बात बिजनेस की हो, तो

समझें सफलता के ये सूत्र

बिजनेस चाहे अपना हो या फिर नियोक्ता का, दोनों ही स्थितियों में आपको काम तो करना ही होता है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि आपका फोकस केवल और केवल लक्षित कार्य पर हो। उत्पाद की गुणवत्ता, ग्राहक सेवा, चीजों को स्वचालित करना आदि कार्य इसमें शामिल हैं...

डॉ. राजेश कुमार
निदेशक (शैक्षिक व व्यावसायिक शिक्षा - पूर्व)

आप अपने बिजनेस के लिए काम करते हैं, या फिर आप किसी दूसरे के बिजनेस के लिए काम करते हैं। इन दोनों ही स्थितियों में आप काम करते हैं, और आपके लिए यह जानना बहुत जरूरी होता है कि इस काम के लिए जरूरी चीजें क्या है, जिससे आपको अपने काम में और अपने लक्ष्य में सफलता हासिल हो। तो आइए हम इन चीजों को समझने की कोशिश करें। ये वे चीजें हैं जिनका अनुसरण सफल व्यापारी करते हैं, और इसमें कोई संदेह है नहीं है कि इनका पालन करके आप भी सफल हो सकेंगे।

बस काम शुरू कर दें

काम के परिपूर्ण होने तक इंतजार न करते रहे, क्योंकि ऐसी हालत में हो सकता है कि आप अपना काम शुरू ही न करें। काम शुरू करना जरूरी है, चाहे वह अभी पूरी तरह से गुणवत्तापूर्ण न हुआ हो। आप अपने काम का शुरू का संस्करण लांच कर सकते हैं। बीटा संस्करण इसीलिए हुआ करते हैं। अगर बिल गेट्स आज के विंडोज को तैयार करने में ही लगे रहते और इसके पहले संस्करण जारी न करते, तो आप समझ सकते हैं कि हमारा कितना काम रुका रहता। आपको कम गुणवत्ता का काम शुरू करने के लिए शर्मिंदा होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह जरूरी नहीं है कि कोई काम शुरू में ही परिपूर्ण होकर निकले। समझने की बात है कि यह आप अपने ग्राहकों के सामने जितना जल्दी जाएंगे, उतना ही जल्दी आपको पता चलेगा कि आपको कहां सुधार की जरूरत है, क्योंकि इससे पहले आप जो भी सुधार करेंगे वे अनुभव के आधार पर नहीं होंगे, बल्कि सिद्धांतों के आधार पर होंगे। और हो सकता है कि आपको उन सुधारों की जरूरत ही न पड़े, जिनके लिए आप अपना काम शुरू करना रोके हुए हैं। तो अनंत काल तक न रुके रहें, अभी लॉन्च करें।

बिक्री सबका समाधान है

काम में सबसे ज्यादा महत्व बिक्री का होता है। आखिर में यह बात मायने रखती है कि आप अपने उत्पाद, सेवा, या काम को बेच पाते हैं या नहीं। बिक्री का मतलब है कि आपकी कमाई हो रही है, और जो कुछ आप कर रहे हैं बाजार में उसकी मांग है। जब तक आप बिक्री पर मास्टरी हासिल नहीं करते, तब तक आप काम नहीं करते, आप बस अपनी अपना शौक पूरा करते हैं। हो सकता है कि आपकी वेबसाइट परिपूर्ण न हो, या शायद आपकी पैकेजिंग अभी इतनी शानदार न हो, लेकिन इन सबका महत्व तब तक नहीं होता, जब तक आप लोगों को अपना पैसा अपनी चीज के लिए ख़र्च करने के लिए तैयार करते रहते हैं।

केवल एक चीज पर फोकस करें

खुद से सवाल करें कि आपका व्यापार क्या करता है, और जो आपको जवाब मिले, उस काम को अपने सर्वोत्तम क्षमता के अनुसार करें। आपको इन 4 चीजों पर ध्यान देने की जरूरत होती है:

- अपने उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार कैसे करें
- उत्पाद तैयार करने या ग्राहक की सेवा करने में लगने वाले समय को कैसे कम करें
- आप चीजों को स्वचालित या कम से कम आउटसोर्स कैसे कर सकते हैं
- उन लोगों के सामने आप अधिक से अधिक कैसे पहुंच सकते हैं जिन्हें आपकी चीज की जरूरत है

कुछ पैसा अलग रखें

बिजनेस के दौरान आपके सामने ऐसा समय आएगा, जब जाए आपको बिजनेस को बढ़ाने के अवसर

बड़े लक्ष्य निर्धारित करें

कोई भी लक्ष्य पूरा करने में 5-6 साल का समय लग जाता है, इसलिए जब भी आप लक्ष्य निर्धारित करें तो बड़ा लक्ष्य निर्धारित करें। कभी-कभी हम ऐसा लक्ष्य निर्धारित कर लेते हैं कि हम एक करोड़ रुपया कमाना चाहते हैं। जब हम 5-6 साल के बाद उस लक्ष्य पर पहुंच जाते हैं, तो हमें पता चलता है कि हमारे लिए वह लक्ष्य किसी काम का नहीं रहा।

इसलिए लक्ष्य ऐसा होना चाहिए जो आप की ज़रूरतों को पूरा करें। उदाहरण के लिए, आप ऐसा लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं कि आप वह राशि कमाएंगे, जो आपके सभी ज़रूरतों को पूरा कर सकें। इस तरह से आपको लक्ष्य पर पहुंचने के बाद निराशा नहीं होगी, क्योंकि आप अपने लक्ष्य से अपनी सभी ज़रूरतों को पूरा करने में कामयाब होंगे।

मिलेंगे, या फिर हो सकता है कि थोड़ा ख़राब समय आए और आपके पास आमदनी में कमी हो जाए। इन दोनों ही चीजों के लिए अलग से पैसा रखने की जरूरत होती है। आपको अपनी योजना में उतना पैसा अलग रखने की जरूरत होती है, जिससे कि आप अचानक आए दोगुना अवसर का लाभ उठा सकें।

नंबरों का ध्यान रखें

आपको यह ध्यान रखने की जरूरत है कि व्यापार में हमेशा कम में ख़रीदें और ज्यादा में बेचे का नियम लागू होता है। आप कोई उत्पाद तैयार करने के लिए, या सॉफ़्टवेयर जैसी कोई सेवा देने के लिए कच्चे माल को ख़रीदते हैं, या फिर सेवा के लिए दूसरों की मदद लेते हैं। जब आप इस पर ध्यान देते हैं कि आप अपने उत्पाद या सेवा को ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए कितना भुगतान कर रहे हैं, और आप उसके लिए कितना चार्ज कर रहे हैं, तो आपको समझ में आएगा कि यह अंतर ही आपकी कमाई है।

अपने ग्राहकों को पहचाने

आजकल आप केवाईसी को बहुत सुनते होंगे, जिसका मतलब है - नो योर कस्टमर यानी अपने ग्राहकों को जानना और समझना। व्यापार का गोल्डन नियम यह है कि कभी भी अनुमान के आधार पर काम न करें, क्योंकि हो सकता है कि आप उससे उसके आधार पर ऐसी चीजों में पैसा लगा दें, जिनकी जरूरत ही न हो।

भविष्य को समझें

अपने काम में भविष्य पर नजर रखें, और फिर उसके अनुसार काम करते हुए अपने आपको बाजार में लाभ की स्थिति में पहुंचाएं।

काम के स्वामी आप हैं

***आपके** काम की देखभाल आपसे बेहतर कोई नहीं कर सकता। हो सकता है कि आप अपने काम के लिए कुछ लोगों को रोज़गार पर रखें, और वे पूरे समर्पण के साथ आपके काम में मदद करें, लेकिन वे इतने जुनूनी ढंग से काम से नहीं जुड़ सकते, जितना आप जुड़ते सकते हैं। आपके व्यापार को उतना बेहतर कोई नहीं समझेगा, जितना कि आप। जब भी आप लोगों के साथ बैठें, वहां ज्ञान और विज़न स्पष्ट होना चाहिए।*

नियम-कानूनों का ध्यान रहे

***वकील** आपके लिए नियमों और कानूनों का ध्यान रखेगा, और अकाउंटेंट आपके पैसे का इंतजाम करेगा। किसी भी काम में इन दोनों की ज़रूरत होती है। इनसे आपको नियम, टैक्स, आदि की समस्याओं से नहीं जूझना पड़ेगा। कहा जाता है कि वकील और अकाउंटेंट दोनों ही अपने वेतन का कई गुना आपको अपने काम के माध्यम से लौटा देते हैं। अगर वे न हों, आपको बहुत सारे समय और ऊर्जा व धन ऐसी चीज़ों में लगाने पड़ सकते हैं, जिसे वे बचा देते हैं, इससे आप अपना ध्यान बिज़नेस के उन क्षेत्रों में लगा सकेंगे, जहां ज़्यादा ज़रूरत है।*

स्नातक डिग्री की अवधि में विभिन्न विषयों की अच्छी समझ छात्रों को कॅरिअर के नए अवसरों की खोज करने में मदद करती है....

डॉ. आमना
असिस्टेंट प्रोफेसर,
एसपीएम कॉलेज, डीयू

बीए प्रोग्राम कोर्स
कॅरिअर के बेहतरीन अवसर

अभी हाल फिलहाल में स्कूल के छात्रों के परिणाम की घोषणा के बाद जीवन की एक नए पहल की ओर बड़ने की उमंग होती है। साथ ही छात्रों और अभिभावकों के लिए कोर्स, कॉलेज और कैम्पस के चयन लेकर चिंता भी होती है। भविष्य के लिए आगे क्या है, इस पर अच्छी अंतर्दृष्टि के साथ, सही सोच विचार करने से एक उपयुक्त निर्णय उपयोगी सामने आ सकता है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि आज शिक्षा और उससे जुड़ी सीखने की गतिशीलता बदल रही है।

भारत में नई शिक्षा नीति सीखने के प्रति बहु-विषयक दृष्टिकोण के महत्व पर भी प्रकाश डालती है। सामाजिक विज्ञान ज्ञान आधारित समाज के लिए वास्तविक आधार है। इस संदर्भ में देखा जाए तो सामाजिक विज्ञान में आगे की पढ़ाई के लिए जाने का निर्णय छात्रों के लिए अच्छा हो सकता है।

नेल्सन मंडेला ने कहा था कि शिक्षा दुनिया को बदलने का सबसे महत्वपूर्ण हथियार है। यह बात निसंदेह है कि सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रमों के साथ शिक्षा कॅरिअर के अच्छे अवसर प्रदान करती है। साथ ही इसी संदर्भ में हम बीए प्रोग्राम और ऑनर्स कोर्स डिग्री के बीच में अक्सर की जाने वाली तुलना को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। अक्सर यह तय करने में कि कौन सा पाठ्यक्रम चुनना है, छात्रों को इस प्रश्न का सामना करना पड़ता है।

ऑनर्स डिग्री में, छात्र एक विशेष अनुशासन के सभी विवरणों का अध्ययन करते हैं। इसके विपरीत, बीए प्रोग्राम कोर्स में, विषयों के संयोजन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र विविध हैं। बीए प्रोग्राम कोर्स की विशेषता यह है कि यह छात्रों को ज्ञान का एक विस्तृत ढांचा प्रदान करता है। छात्र कॉलेज में उपलब्ध विकल्पों के आधार पर अंग्रेजी, भाषा, इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र जैसे शास्त्रीय विषयों को सीख सकते हैं। प्रत्येक विषय छात्रों के लाभ के लिए अद्वितीय शिक्षण बिंदु प्रदान करता है।

यह कहना कि हम बीए ऑनर्स की तुलना में बीए प्रोग्राम की डिग्री में किसी विशेष विषय में कम पेपर पढ़ते हैं, गलत होगा। विषय उपलब्धता के आधार पर बीए कार्यक्रम पाठ्यक्रम के छात्र अक्सर अन्य पाठ्यक्रमों के छात्रों की तुलना में अधिक सैद्धांतिक दृष्टिकोण और साहित्य पढ़ते हैं। उदाहरण के लिए इतिहास और राजनीति विज्ञान सब्जेक्ट कॉम्बिनेशन के साथ, छात्र विश्व इतिहास के साथ-साथ समकालीन वैश्विक शासन की गतिशीलता का अध्ययन करते हैं।

स्नातक की डिग्री की अवधि में विभिन्न विषयों की अच्छी समझ छात्रों को कॅरिअर के नए अवसरों की खोज करने में मदद करती है। साहित्य, इतिहास, राजनीति, अर्थशास्त्र के ज्ञान के साथ, यह अतीत में छात्रों के लिए प्रतियोगिता परीक्षा, उच्च शिक्षा डिग्री, शिक्षण, लेखन, सामाजिक उद्यमिता विकास जैसे क्षेत्रों के लिए उपयोगी साबित भी हुआ है।

समसामयिक समय में किसी भी कार्य के लिए सही कौशल महत्वपूर्ण हैं और विभिन्न सामाजिक विज्ञान विषय का अध्ययन कौशल विकास के लिए उपयोगी है।

सामाजिक विज्ञान द्वारा प्रस्तुत एवं सीखे हुए विचार

छात्रों को संचार, नीति विश्लेषण, स्टार्ट अप आदि जैसे नए रास्ते तलाशने में मदद करता है। इस संबंध में ऑनर्स डिग्री और बीए प्रोग्राम दोनों समान रूप से मूल्यवान हैं।

(लेखिका सेंट स्टीफंस, कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में बीए प्रोग्राम कोर्स की टॉपर रही है और वर्तमान में एसपीएम कॉलेज, डीयू में सहायक प्रोफेसर के रूप में राजनीति विज्ञान पढ़ाती है।)

नाबार्ड में अधिकारी बनने का अवसर

ग्रेड 'ए' एवं 'बी' पदों की भर्ती से जुड़ी चयन प्रक्रिया में तीन राउंड होते हैं- प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार...

अनुज जिंदल
एडटेक विशेषज्ञ, सीईओ, प्लेटफॉर्म, पूर्व एसबीआई पीओ

नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट या नाबार्ड ने आखिरकार ग्रेड 'ए' और ग्रेड 'बी' अधिकारी पदों के लिए कुल 162 रिक्तियों की घोषणा की है।

अब 2021 नाबार्ड भर्ती के विवरण के लिए, 17 जुलाई 2021 से नाबार्ड ग्रेड 'ए' और ग्रेड 'बी' दोनों परीक्षाओं के लिए पंजीकरण शुरू होने वाले हैं, और 7 अगस्त, 2021 तक जारी रहेंगे।

नाबार्ड ग्रेड 'ए' जॉब प्रोफाइल

जहां तक ग्रेड 'ए' अधिकारी पद का संबंध है, इसे पदनाम से सहायक प्रबंधक पद भी कहा जाता है। नाबार्ड के सहायक प्रबंधक के जॉब प्रोफाइल में विभिन्न सरकारी विभागों के कार्यान्वयन और निगरानी जैसी चीजें शामिल हैं। ग्रामीण और कृषि विकास से संबंधित योजनाएं, नीतियां और कार्यक्रम, या कई अन्य कार्यों के अलावा, कृषि समुदायों को अपनी स्थिर सहकारी समितियों और बैंकों को बनाने में मदद करने के लिए।

नाबार्ड ग्रेड 'बी' जॉब प्रोफाइल

ग्रेड 'बी' अधिकारी का पद प्रबंधक का होता है। उस ने कहा, नाबार्ड ग्रेड 'बी' अधिकारी की नौकरी प्रोफ़ाइल में लेखांकन प्रक्रियाओं की निगरानी, अंतर-विभागीय असाइनमेंट को सुविधाजनक बनाने, ग्राहक संबंध बनाए रखने, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने और ऋण स्वीकृत करने जैसी जिम्मेदारियां शामिल हैं।

नाबार्ड ग्रेड 'ए' वेतन और भत्ते

जहां तक वेतन की बात है, नाबार्ड ग्रेड 'ए' अधिकारी का शुरुआती सकल मासिक वेतन 66,864 रुपये है। हालांकि, इस राशि में ग्रेड 'ए' अधिकारी को मिलने वाले सभी भत्ते शामिल हैं। नाबार्ड ग्रेड 'ए' अधिकारी के मूल शुरुआती मासिक वेतन की बात करें तो यह 28,150 रुपये है। इस मूल वेतन के अलावा ग्रेड 'ए' के अधिकारियों को महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, वाहन भत्ता, चिकित्सा भत्ता, छुट्टी किराया रियायत यात्रा आदि जैसे विभिन्न भत्ते मिलते हैं।

नाबार्ड ग्रेड 'ए' और ग्रेड 'बी' चयन प्रक्रिया

नाबार्ड ग्रेड 'ए' और ग्रेड 'बी' देश में सबसे प्रसिद्ध नौकरियों में से एक है। इस प्रकार, नाबार्ड ग्रेड 'ए' या ग्रेड 'बी' अधिकारी के रूप में नौकरी सुरक्षित करने के लिए, उम्मीदवारों को कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है।

साथ ही, ध्यान देने वाली बात यह है कि दोनों परीक्षाएं ऑनलाइन आयोजित की जाती हैं।

दोनों परीक्षाओं की भर्ती प्रक्रियाओं की चयन प्रक्रिया में तीन राउंड होते हैं। वो हैं:

1. **प्रारंभिक परीक्षा:** ऑनलाइन वस्तुनिष्ठ परीक्षा - चरण I
2. **मुख्य परीक्षा:** ऑनलाइन वस्तुनिष्ठ और वर्णनात्मक परीक्षा - चरण II
3. **साक्षात्कार** – चरण III

नाबार्ड ग्रेड बी वेतन और भत्ते

नाबार्ड ग्रेड बी अधिकारी के वेतन के बारे में बात करते हुए, यह पद ग्रेड ए अधिकारी की तुलना में एक कदम ऊपर है, यह भी सुंदर है। अब, नाबार्ड ग्रेड ए की तरह, ग्रेड बी में भी एक निश्चित नाबार्ड ग्रेड बी वेतन है, इसके अलावा अधिकारियों को मिलने वाले भत्तों और भत्तों के अलावा। ग्रेड बी अधिकारियों को मिलने वाले शुरुआती सकल मासिक वेतन की बात करें तो यह 73,600 रुपये है। हालांकि, नाबार्ड ग्रेड ए वेतन के मामले में, यह भी मासिक वेतन नहीं है। मूल मासिक नाबार्ड ग्रेड बी वेतन 35,150 INR प्रति माह है। शुरुआत में। ग्रेड बी भत्तों और भत्तों के बारे में बात करते हुए, वे ग्रेड ए अधिकारी के समान ही हैं।

अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए...

शंघाई सहयोग संगठन के आठ अजूबों में निम्नलिखित में से किसे शामिल किया गया है? (Himachal PSC Exam 2020)

(a) भीमबेटका गुफाएं
(b) स्वर्ण मंदिर
(c) स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी
(d) आमेर का क़िला

जवाब:(c) स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी

व्याख्या: आठ देशों के अंतर्राष्ट्रीय संगठन 'शंघाई सहयोग संगठन' ने 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' को SCO के आठवें आश्चर्य के रूप में शामिल किया है। 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' गुजरात के नर्मदा ज़िले में सरदार सरोवर बांध के पास राजपीपला में साधुबेट नामक नदी द्वीप पर स्थित है'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' 182 मीटर ऊंची सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा है। इस मूर्ति का डिज़ाइन पद्मभूषण पुरस्कार से सम्मानित मूर्तिकार 'राम वनजी सुतर' ने तैयार किया था।

भारत ने किस देश को KAAMIYAB नाम का गश्ती पोत उपहार दिया? (Himachal PSC Exam 2020)

(a) श्रीलंका
(b) मालदीव
(c) दक्षिण ऑीका
(d) बांग्लादेश

जवाब: (b) मालदीव

व्याख्या: राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सालेह और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच समझौते के बाद 2019 में समुद्र की गश्ती करने के लिए भारत सरकार द्वारा उपहार में गश्ती जहाज सीजीएस कामयाब दिया गया. यह समुद्री सीमाओं की रक्षा करने और हिंद महासागर क्षेत्र में उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति की तुरंत सूचना देने के लिए तटरक्षक बलों की मूल्यवान संपत्ति बन जाएगा।

ग्लोबल टाइगर फ़ोरम का मुख्यालय कहां है? (Himachal PSC Exam 2020)

(a) काठमांडू
(b) नई दिल्ली
(c) बीजिंग
(d) ढाका

जवाब: (b) नई दिल्ली

व्याख्या: ग्लोबल टाइगर फोरम बाघों की रक्षा के लिये इच्छुक देशों द्वारा स्थापित एकमात्र अंतर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय निकाय है। GTF दुनिया के 13 टाइगर रेंज के देशों में वितरित बाघों की शेष 5 उप-प्रजातियों को बचाने पर केंद्रित है। GTF का गठन 1993 में नई दिल्ली, भारत में बाघ संरक्षण पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की सिफारिशों पर किया गया था। 1997 में, GTF एक स्वतंत्र संगठन बना। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

किस देश ने मैच फ़िक्सिंग से सम्बंधित मामलों का अपराधीकरण किया है? (Himachal PSC Exam 2020)

(a) पाकिस्तान
(b) दक्षिण ऑीका
(c) बांग्लादेश
(d) श्रीलंका

जवाब: (d) श्रीलंका

व्याख्या: श्रीलंका ने मैच फिक्सिंग से जुड़े मामलों को अपराध की श्रेणी में शामिल किया है। वह ऐसा करने वाला पहला दक्षिण एशियाई देश बन गया है। उसकी संसद ने खेल से संबंधित अपराधों की रोकथाम से जुड़े एक विधेयक को स्वीकृत किया था। मैच फिक्सिंग और भ्रष्टाचार से जुड़ा ये नया कानून हर खेल पर लागू होगा। इस कानून के तहत अगर कोई इंसान खेल में भ्रष्टाचार का दोषी पाया जाता है तो उसे दस साल तक की सजा का प्रावधान है। इसके अलावा उसे भारी भरकम जुर्माना भी भरना पड़ेगा।

किस देश राजधानी का नाम बदलकर नूरसुल्तान रखा गया है? (Himachal PSC Exam 2020)

(a) क़ज़ाकिस्तान
(b) उज़बेकिस्तान
(c) किर्गिस्तान
(d) अज़रबैजान

जवाब: (a) क़ज़ाकिस्तान

व्याख्या: कजाकिस्तान ने निवर्तमान नेता नूरसुल्तान नज़रबायेव को सम्मानित करने के लिए अपनी राजधानी अस्ताना का नाम बदलकर नूरसुल्तान कर दिया है. 78 वर्षीय श्री नज़रबायेव ने राष्ट्र के अध्यक्ष के रूप में सोवियत संघ के विघटन के बाद लगभग 30

वर्षों तक सेवा की थी. कासीम-जोमात तोकायेव अब राष्ट्राध्यक्ष हैं.यूरेशिया में स्थित एक देश है। क्षेत्रफल के आधार से ये दुनिया का नवां सबसे बड़ा देश है। एशिया में एक बड़े भूभाग में फैला हुआ यह देश पहले सोवियत संघ का हिस्सा हुआ करता था। 1991 में सोवियत संघ के विघटन के उपरांत इसने सबसे अंत में अपने आपको स्वतंत्र घोषित किया।

1 जनवरी 2019 को किस राज्य को भारत का 25वां उच्च न्यायालय मिला? (Himachal PSC Exam 2020)

(a) तेलंगाना
(b) मिज़ोरम
(c) सिक्किम
(d) आंध्र प्रदेश

जवाब: (d) आंध्र प्रदेश

व्याख्या: आन्ध्र प्रदेश का नया उच्च न्यायालय 1 जनवरी 2019 को राजधानी अमरावती में अस्तित्व में आ गया। इस प्रकार आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय भारतीय गणतंत्र का 25वां उच्च न्यायालय बन गया। अभी तक हैदराबाद उच्च न्यायालय तेलंगाना व आन्ध्र प्रदेश के संयुक्त न्यायालय के रूप में हैदराबाद में काम कर रहा था। राज्यपाल ने सी. प्रवीण कुमार को आन्ध्र प्रदेश के नवगठित उच्च न्यायालय का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया था। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में तेलंगाना के अस्तित्व में आने के बाद से दोनों राज्यों के न्यायालयों को पृथक करने की मांग वकील तथा न्याय क्षेत्र से जुड़े लोग करते आ रहे थे।

निम्नलिखित में किस राज्य में द्विसदनीय विधानमंडल नहीं है? (Himachal PSC Exam 2020)

(a) जम्मू-कश्मीर
(b) पश्चिम बंगाल
(c) कर्नाटक
(d) तेलंगाना

जवाब: (b) पश्चिम बंगाल

व्याख्या: भारतीय संविधान में राज्यों को राज्य की भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या एवं अन्य पहलुओं को ध्यान में रखते हुए राज्य विधानमंडल के अंतर्गत उच्च सदन के रूप में विधानपरिषद (वैकल्पिक) की स्थापना करने की अनुमति दी गई है। इसके सदस्यों का कार्यकाल भी राज्यसभा सदस्यों की तरह ही 6 वर्षों का होता है। विधान परिषद वाले छह राज्य: आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक। वर्ष 2020 में आंध्र प्रदेश विधानसभा ने विधान परिषद को समाप्त करने का प्रस्ताव पारित किया। अंततः परिषद को समाप्त करने के लिये भारत की संसद द्वारा इस प्रस्ताव को मंज़ूरी दी जानी बाकी है।

भारत के संविधान की किस अनुसूची के तहत खनन के लिए जनजातीय भूमि को निजी पक्षों को हस्तांतरित करने को शून्य घोषित किया जा सकता है? (Himachal PSC Exam 2020)

(a) पांचवी
(b) तीसरी
(c) नौवीं
(d) बारहवीं

जवाब: (a) पांचवी

व्याख्या: भारतीय संविधान की धारा 244 (1) की 5वीं अनुसूची के अनुसार, 'अनुसूचित क्षेत्र' अभिव्यक्ति का अर्थ ऐसे क्षेत्रों से है जिसे राष्ट्रपति अपने आदेश से अनुसूचित क्षेत्र घोषित कर सकते हैं। संविधान की अनुसूची 5 के अनुसार राष्ट्रपति किसी भी समय राज्य के राज्यपाल की सलाह के बाद एक राज्य में किसी अनुसूचित क्षेत्र में वृद्धि का आदेश दे सकते हैं, किसी राज्य और राज्यों के संबंध में इस पैराग्राफ के अंतर्गत जारी आदेश और आदेशों को राज्य के राज्यपाल की सलाह से निरस्त कर सकते हैं और अनुसूचित क्षेत्रों को फिर से परिभाषित करने के लिये नया आदेश दे सकते हैं। पांचवी अनुसूची 10 राज्यों के आदिवासी इलाकों में लागू है। यह अनुसूची स्थानीय समुदायों का लघु वन उत्पाद, जल और खनिजों पर अधिकार सुनिश्चित करती है।

संविधान का 86वां संशोधन सम्बंधित है: (Himachal PSC Exam 2020)

(a) शिक्षा का अधिकार: 6-14 वर्ष के बच्चों को शिक्षा का मौलिक अधिकार
(b) मौलिक अधिकार के रूप में रोज़गार का अधिकार
(c) ग्रामीण लोगों के लिए मौलिक अधिकार के रूप में रोज़गार का अधिकार
(d) शिक्षा का अधिकार: 5-13 वर्ष के बच्चों को शिक्षा का मौलिक अधिकार

जवाब: (a) शिक्षा का अधिकार: 6-14 वर्ष के बच्चों को शिक्षा का मौलिक अधिकार

व्याख्या: दिसंबर 2002- अनुच्छेद 21 ए (भाग 3) के माध्यम से 86वें संशोधन विधेयक में 6 से 14 साल के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकार माना गया।

संकलनकर्ता: जितेश जोशी

जेआईएम का दूसरा ई-दीक्षांत समारोह

भारत के प्रमुख एमबीए कॉलेजों में प्रतिष्ठित जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने अपने दूसरे ई-दीक्षांत समारोह के संग शैक्षणिक सत्र 2020-2021 का सफल समापन किया। इसमें संस्थान के चारों कैम्पस के स्नातक छात्रों, विशिष्ट अतिथियों, शिक्षकों और पूर्व छात्रों की इसमें उत्साहवर्धक भागीदारी दिखी। मुख्य अतिथि रशेश शाह, अध्यक्ष और सीईओ, एडलवाइस समूह ने दीक्षांत समारोह की शोभा बढ़ाई। नोएडा, लखनऊ, जयपुर और इंदौर कैम्पस के कुल 1023 विद्यार्थियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये मैनेजमेंट की डिग्री प्रदान की गई। सुस्त अर्थव्यवस्था के बावजूद जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने इस साल अपने लखनऊ, नोएडा, जयपुर और इंदौर चारों कैम्पस मिलाकर 94.5 फीसदी विद्यार्थियों के लिए प्रमुख कम्पनियों में प्लेसमेंट सुनिश्चित किया और बाकी विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट जारी है। स्नातक बैच के विद्यार्थियों को ई-कॉमर्स, एफएमसीजी, रिटेल और मैन्युफैक्चरिंग, बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं में विभिन्न प्रतिष्ठित ऑफर दिए गए।

INSPIRATION

BE POSITIVE

Your Life seems to be full of Hardships -
Think of those who struggle for being Alive.
You don't like the food which is served-
Think of those who sleep empty stomach.
Getting half of what you Deserve -
Think of those who get Nothing.
You are blessed that You can see all colors of Nature,
Think of the Strength of a person who doesn't have eyes.
If you hesitate to follow your passion
Think of those who are not allowed to follow.
Life is not so harsh always
Just Think wise and don't hurt any.

-unnati

उद्यमिता : आज के युवाओं की पसंद

किसी भी व्यक्ति के लिए अपनी उद्यमिता यात्रा शुरू करने का सबसे अच्छा बिंदु अपनी क्षमता के अनुसार क्षेत्र की पहचान करना होता है...

वालेस जेकब
मैनेजमेंट प्रोफेसर

किसी भी राष्ट्र की आर्थिक वृद्धि और समृद्धि के लिए उद्यमिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। जबकि "उद्यमी" शब्द के अनेक अर्थ हो सकते हैं, इस लेख में, उद्यमी हर उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो किसी भी व्यवसाय की स्थापना और उस व्यवसाय का प्रबंधन करता है। उद्यमी अर्थात वह व्यक्ति जो की नवीन वस्तुओं, तकनीकों को वितरित करने में सक्षम होता है या नए उद्योग या मौजूदा उद्योगों की नवीन शाखाएं बनाता है।
किसी भी व्यक्ति के लिए अपनी उद्यमिता यात्रा शुरू करने का सबसे अच्छा बिंदु अपनी क्षमतानुसार क्षेत्र की पहचान करना होता है। दूरसंचार, वास्तुकला, परामर्श, डिजाइन, शिक्षा, वित्त, अनुसंधान, संचार, परिवहन, भोजन, कृषि, विनिर्माण, आदि जैसे कई आशाजनक क्षेत्र हैं जहां से शुरुआत की जा सकती है।

नवोदित उद्यमियों द्वारा ध्यान दिए जाने वाले महत्वपूर्ण बिंदु

- व्यापार तरकीब,
- व्यापार की पृष्ठभूमि,
- कंपनी संरचना,

उद्यमियों को अपना कार्य शुरू करने के लिए बैंक क्रेडिट सुविधा योजना, कच्चे माल की उपलब्धता में सहायता, एकल बिंदु पंजीकरण, खरीद विपणन सहायता के ज्ञान की आवश्यकता होती है। भारत सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विकास को बढ़ावा देने एवं सहायता करने के लिए राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक, खादी और ग्रामोद्योग आयोग की स्थापना की है जो की उद्यमियों को एकीकृत सहायता सेवाएं प्रदान करतें है। एमएसएमई विकास अधिनियम 2006, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951, उद्योग (विकास और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2016, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 उद्यमियों को आवश्यक दिशा-निर्देश और रोडमैप प्रदान करतें हैं। महिला उद्यमियों की मदद के लिए भारत सरकार द्वारा मुद्रा योजना स्कीम, देना शक्ति स्कीम, उद्योगिनी स्कीम, सेण्ट कल्याणी स्कीम, महिला उद्यम निधि स्कीम जैसी अनेक योजनाएं शुरू की गई हैं।

उद्यमिता में प्रशिक्षण के अवसर

- कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई), भारत सरकार, ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय फैलोशिप कार्यक्रम डिज़ाइन किया है। यह कार्यक्रम राज्य कौशल विकास मिशन (एसएसडीएम) के सहयोग से लागू किया गया है और नौ भारतीय प्रबंधन संस्थान चयनित प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं।
- यूके, जर्मनी और फ्रांस के बाद, भारत स्किल बिल्ड प्लेटफॉर्म लॉन्च करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। यह कार्यक्रम कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत प्रशिक्षण महानिदेशालय द्वारा शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सूचना प्रौद्योगिकी, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, नेटवर्किंग आदि में प्रशिक्षित करना है। प्रशिक्षण आईटीआई और राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई) में प्रदान किया जाता है।
- अंत्रेप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंडिया, अहमदाबाद

महिलाओं के प्रति हिंसा व भेद को रोकना है लक्ष्य...

सोहिनी भट्टाचार्य
सीईओ, ब्रेकथ्रू इंडिया

सोहिनी भट्टाचार्य ब्रेकथ्रू इंडिया के माध्यम से पांच राज्यों, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और झारखंड में बालिकाओं और महिलाओं के प्रति होने वाले भेदभाव, हिंसा आदि के मुद्दों पर काम कर रही हैं। उन्होंने लिंग समानता आदि पर काम किया है। पेश हैं उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश...

ब्रेकथ्रू की शुरुआत व काम के बारे में बताएं?

ब्रेकथ्रू की शुरुआत 1999 में मन के मंजीरे नाम के एक म्युजिक एलबम से हुई, हमारा मानना है कि 'पॉपुलर कल्चर' सामाजिक बदलाव का एक महत्वपूर्ण माध्यम होता है। इसलिए हमने एक महिला शमीम पठान जिन्होंने घरेलू हिंसा का न सिर्फ सामना किया बल्कि रूढ़िवादी परंपराओं को तोड़ते हुए ट्रक चला कर अपने पैरों पर खड़ी भी हुई, उनकी सच्ची कहानी पर ये वीडियो एलबम बनाया था, जो काफी लोकप्रिय भी हुआ। ब्रेकथ्रू महिला अधिकारों पर काम करने वाली संस्था है। जो अपने विभिन्न कार्यक्रमों और कैंपेन के माध्यम से उन रूढ़िवादी सोच, परंपराओं , लिंग मानदंडों को बदलने पर काम करती है जो महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा और भेदभाव के लिए जिम्मेदार हैं। वर्तमान में हम पांच राज्यों, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और झारखंड में काम कर रहे हैं।

आप क्या बदलाव लाना चाहती हैं?

किसी भी देश व समाज की तरक्की तभी हो सकती है जब वहां समानता हो, लिंग के आधार पर भेदभाव और हिंसा न हो। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS) और वैश्विक आंकड़े बताते हैं कि हर तीन में से एक महिला घरेलू हिंसा का सामना करती है। यूनिसेफ की रिपोर्ट बताती है कि अभी भी भारत में बाल विवाह की दर 27 फीसदी है। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम 2018 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लिंगानुपात घटकर 899 में हो गया है। NCRB के आंकड़े भी बताते है कि 2018 में महिलाओं के साथ होने वाले अपराध के कुल दर्ज मामले जहाँ 378236 थे वहीं 2019 में यह 7 फीसदी बढ़कर 405861 हो गए। यह 2019 के आंकडें है लेकिन इस समय कोविड-19 की वजह से महिलाओं और लड़कियों की स्थिति और भी चिंताजनक हो गई है । लगभग 10 मिलियन लड़कियों का जहां स्कूल छूट गया है वहीं घरेलू हिंसा के मामलों में इजाफा देखने को मिला है।

आप का एक मॉड्यूल तारों की टोली काफी लोकप्रिय है। इसके बारे में बताएं।

जी हां, तारों की टोली हमारा काफी सफल मॉड्यूल है, इसके माध्यम से हम किशोर-किशोरियों के साथ बदलाव की बात करते हैं। इनके रोचक चैप्टर से वो खेल-खेल में ही लैंगिक मापदंडों जैसे लड़का और लड़की में भेद को जहां आसानी से समझते हैं वहीं उन रूढ़ीवादी मान्यताओं को चुनौती भी देते जो लैंगिक भेदभाव को पोषित करती हैं। हमने पाया है कि यह माड्यूल उनके लैंगिक व्यवहारों और नजरिये को गहराई से प्रभावित करता है और उन्हें लैंगिक भेदभाव से मुक्त एक समानता वाला समाज बनाने के लिए प्रेरित भी करता है। इस समय हम पंजाब सरकार के साथ 6,7 और 8 वीं के तीन विषयों के चैप्टर में तारों की टोली पाठ्यक्रम के अंशों को शामिल करने के लिए काम कर रहे हैं। जिसको पंजाब सरकार के पांच हजार से अधिक स्कूलों में लगभग 20-22 हजार शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाएगा।

कोविड व लॉकडाउन का बुरा असर लड़कियों और महिलाओं पर पड़ा है, आप इसको कैसे देख रही हैं?

हाल ही में ब्रेकथ्रू ने 9 राज्यों के लोगों के साथ एक रैपिड सर्वे किया है जिसमें निकल कर आया है कि लॉकडाउन में महिलाओं और लड़कियों के साथ हिंसा में बढ़ोत्तरी हुई है, उनके ऊपर काम का बोझ भी बढ़ा है, घरेलू खर्चों को उठाने की जिम्मेदारी भी उन पर आ गई है। लड़कियों की पढ़ाई छूटी है तो कम उम्र में शादी का दबाव भी बढ़ा है, उनको पढ़ने के लिए प्रेरित करने की जगह घरों में उन्हें कहा जा रहा है कि स्कूल नहीं जाना है तो घर के काम ही सीख लो बाद में काम आएंगे। साफ है कि इस महामारी ने महिला और पुरुष के बीच लिंग के आधार पर भेदभाव को और बढ़ाया है।

हमारा पहला ध्यान इस पर है कि जिन लड़कियों का स्कूल छूट (Drop out) गया है वो जल्दी से स्कूल वापस जाना शुरू करें और अगर उनकी शादी की बात चल रही हो तो वो बंद हो जाए। इसके लिए अभिभावकों के साथ हमें लगातार बातचीत करनी होगी। स्कूलों के खुलते ही हम अपना कार्यक्रम फिर से शुरू करेगें। तब तक हमारा ध्यान दो-तीन महत्वपूर्ण चीजों पर है- जैसे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना, कोविड संबंध जानकारी और बचाव सबको याद दिलाते रहना और महिलाओं व लड़कियों के साथ होने वाली हिंसा के खिलाफ आवाज उठाना। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए महिलाओं और लड़कियों पर लॉकडाउन के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए ब्रेकथ्रू अपने टीम चेंज लीडर और स्टाफ के सहयोग से सीधे लोगों तक पहुंचा है।

निजी तौर पर अंतरिक्ष पर्यटन की शुरुआत

अमेरिका में निजी अंतरिक्ष कंपनियों के प्रमुख रिचर्ड ब्रांसन और जेफ बेजोस ने बजाया बिगुल....

दुनिया के सबसे अमीर शख्स जेफ बेजोस ने हाल ही में अंतरिक्ष की यात्रा की। 11 मिनट की उनकी अंतरिक्ष यात्रा पर दुनियाभर की निगाहें टिकी रहीं। बेजोस ने तीन अन्य लोगों के साथ अंतरिक्ष में उड़ान भरी, जिसमें उनके भाई मार्क बेजोस, वैली फंक और 18 वर्षीय ओलिवर डेमेन ने अंतरिक्ष की सैर की। बेजोस ने लंबे समय से अंतरिक्ष में जाने की योजना बनाई थी और 20 जुलाई को उन्होंने अपना सपना पूरा भी किया। जेफ बेजोस ब्लू ओरिजन का स्पेसक्राफ्ट स्पेस लिमिट मानी जाने वाली करमेन लाइन के पार जाकर धरती पर लौट आया।बेजोस महज चार मिनट तक अंतरिक्ष में रहे, इसके लिए उन्होंने करीब 5.4 अरब डॉलर (लगभग 4,01,94,76,50,000 रुपये) खर्च किए। यानी कि हर मिनट के लिए करीबन 550 मिलियन डॉलर।

जेफ बेजोस से पहले ब्रिटेन के व्यापारी रिचर्ड ब्रैनसन वर्जिन गल्केटिक में उड़ान पूरी कर लौटे थे। हालांकि, वह करमेन लाइन (पृथ्वी से 100 किमी. दूर) के पार नहीं गए थे। बेजोस की यह फ्लाइट उनकी कंपनी की पहली ऐसी फ्लाइट थी जिसमें ऐस्ट्रोनॉट्स को ले जाया गया था। जेफ बेजोस ने न्यू शेफर्ड रॉकेट सबऑर्बिटल फ्लाइट से सफर किया और यह ध्वनि की तीन गुना रफ्तार से अंतरिक्ष की ओर बढ़ा। यह तब तक सीधा अंतरिक्ष में जाता रहा जब तक कि उसका ज्यादातर ईंधन खत्म नहीं हो गया। इसके बाद कैप्सूल रॉकेट से अलग हो गया और कुछ देर बिना ग्रैविटी के बिताने के बाद कैप्सूल धरती की ओर लौटा। फिर पैराशूट खुले और कैप्सूल सफलतापूर्वक लैंड हो गया। पूरी उड़ान 10 मिनट 18 सेकंड की रही।

स्पेस एक्स

स्पेस एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कार्पोरेशन, (स्पेसएक्स) के रूप में व्यवसाय कर रहा है, एक निजी अमेरिकी एयरोस्पेस और अन्तरिक्ष परिवहन सेवा कम्पनी है, जिसका मुख्यालय हैथॉर्न, कैलिफ़ोर्निया में है। वर्ष 2002 में अमेरिका में उद्यमी एलन मस्क ने इसकी स्थापना की थी। स्पेसएक्स ने बाद में फाल्कन लॉन्च वाहन परिवार और ड्रैगन अन्तरिक्ष यान परिवार विकसित किया है, जो वर्तमान में पृथ्वी कक्षा में पेलोड वितरित करता है। 2020 में स्पेसएक्स अन्तरराष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन तक मानव को पहुंचाने वाली पहली निजी कम्पनी बन गई।

वर्जिन गैलेक्टिक

***प्राइवेट** स्पेस एजेंसी वर्जिन गैलेक्टिक के संस्थापक रिचर्ड ब्रैनसन ने बेजोस से पहले 11 जुलाई को ही स्पेसशिप-2 नामक यान से अंतरिक्ष की सफल सैर को अंजाम दिया। वे अपने ही यान में अंतरिक्ष की सैर करने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं। ब्रैनसन धरती से 88 किमी. की ऊंचाई तक पहुंचे।*

डेनिस टीटो

***28** अप्रैल 2001 को डेनिस टीटो को पहला अंतरिक्ष पर्यटक होने का गौरव हासिल हुआ। टीटो कोई पेशेवर अंतरिक्ष यात्री नहीं हैं। वह रूस के एक धनी व्यवसायी हैं, उन्होंने सोयुज अंतरिक्ष यान में एक सीट के लिए रूसी स्पेस एजेंसी रॉसकॉसमॉस और अमेरिकी कंपनी स्पेस एडवेंचर लिमिटेड को दो करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया था। अंतरिक्ष की उनकी यात्र 10 दिनों की रही थी। हालांकि पिछले 20 वर्षो में सिर्फ सात लोगों ने ही पैसे देकर अंतरिक्ष पर्यटन का आनंद लिया है, लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि यह संख्या एक साल में दोगुनी हो सकती है।*

WEEKLY DAIRY

21 जुलाई

ओलंपिक खेलों के आदर्श वाक्य में अब ' अधिक तेज, उच्चतर और अधिक मजबूत' के साथ 'एकजुट' भी जोड़ दिया गया है। पहले ओलंपिक का आदर्श वाक्य तीन लेटिन शब्दों 'सिटिअस, अल्टिअस और फोर्टिअस' से बना था जिसके हिन्दी में मायने हैं 'अधिक तेज, उच्चतर और अधिक मजबूत ।''

22 जुलाई

भारतीय नौसेना ने बंगाल की खाड़ी में रॉयल नेवी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप (सीएसजी)-21, जिसका नेतृत्व एचएमएस क्वीन एलिजाबेथ ने किया, के साथ दो दिवसीय द्विपक्षीय पैसेज युद्धाभ्यास (पासेक्स) में भाग लिया। यह अभ्यास दोनों नौसेनाओं की समुद्री क्षेत्र में साथ काम करने की क्षमता को बेहतर बनाने के लिए किया गया था।

23 जुलाई

भारत सरकार के चीफ हाइड्रोग्राफर वाइस एडमिरल विनय बधवार, एवीएसएम, एनएम ने नई दिल्ली में ब्रिटिश उच्चायुक्त एलेक्स एलिस के आवास पर आयोजित एक प्रस्तुति समारोह में उनसे अलेक्जेंडर डेलरिम्पल पुरस्कार प्राप्त किया। वाइस एडमिरल विनय बधवार को 2019 में पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

खेल

■ 'खेलों के महाकुंभ' टोक्यो ओलंपिक में भारत की शानदार शुरुआत हुई। खेल के दूसरे दिन ही भारत की झोली में पदक आ गया है। 23 जुलाई, 2021 को 49 किलोग्राम कैटेगरी की वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू ने रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोल दिया। वह भारत की तरफ से टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं।

■ जापान में आयोजित टोक्यो ओलंपिक में टूर्नामेंट का पहला स्वर्ण पदक चीन के नाम दर्ज हुआ। चीन की यांग क्वान ने 24 जुलाई को महिला 10 मीटर राइफल प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल पर निशाना लगाया।

■ हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में 23 जुलाई को कैडेट विश्व चैंपियनशिप में युवा पहलवान तनु व प्रिया नए वर्ल्ड चैम्पियन बन गए। तनु ने 43 किलोग्राम भार वर्ग के खिताबी सफर के दौरान एक भी अंक नहीं गंवाया। इसी तरह प्रिया ने बेलारूस की सेनिया पटापोविच को 5-0 से हराकर 73 किलोग्राम भार वर्ग का खिताब अपने नाम किया।

नियुक्ति

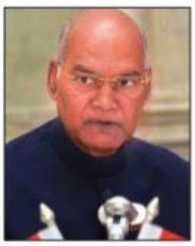

■ केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने 23 जुलाई को कहा कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 12 कुलपतियों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। नियुक्त किए गए कुलपतियों में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ टंकेश्वर कुमार, हिमाचल प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सत प्रकाश बंसल, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रोफेसरसंजीव जैन और झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रोफेसर क्षितिज भूषण दास के नाम शामिल हैं। अन्य लोगों में प्रोफेसर बट्टू सत्यनारायण को कर्नाटक विश्वविद्यालय का वीसी, तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रोफेसर मुथुकलिगन कृष्ण को और हैदराबाद के केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बसुथकर जे राव को कुलपति के तौर पर नियुक्त किया गया. प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह को दक्षिण बिहार के केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्त किया गया वहीं प्रोफेसर प्रभा शंकर शुक्ला को नॉर्थ ईस्ट हिल्स यूनिवर्सिटी का वीसी बनाया गया।

■ 25 जुलाई को अबूधाबी के क्राउन प्रिंस शेख मुहम्मद बिन जायद अल नहयान ने प्रख्यात भारतीय उद्योगपति यूसुफ अली एमए को सरकार के सर्वोच्च संगठन में उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। यह संगठन यूएई के सभी कारोबारों की निगरानी करता है।

निधन

■ केरल में साक्षरता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली सबसे बुजुर्ग महिला भगीरथी अम्मा का निधन हो गया। वह 107 वर्ष की थीं। उम्र उनके लिए महज एक संख्या थी, तभी तो 105 की उम्र में उन्होंने वह कर दिखाया, जिसकी ख्वाहिश बचपन में अधूरी गई थी।

■ रंगकर्मी और साहित्यकार उर्मिल कुमार थपलियाल का लंबी बीमारी के बाद 20 जुलाई को यहां निधन हो गया। आंतों के कैंसर से पीड़ित थपलियाल (78) ने 20 जुलाई देर शाम अंतिम सांस ली। **-सौरभ सिंह**

विज्ञान

■ **आत्मनिर्भर** भारत को बढ़ावा देने और भारतीय सेना को मजबूत करने की दिशा में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 21 जुलाई, 2021 को स्वदेशी रूप से विकसित कम वजन वाली, फायर एंड फॉरगेट मैन पोर्टेबल एंटीटैंक गाइडेड मिसाइल (एमपी-एटीजीएम) का सफल परीक्षण किया। मिसाइल को एक मैन पोर्टेबल लॉन्चर थर्मल साइट के साथ एकीकृत कर लॉन्च किया गया था और लक्ष्य एक टैंक की तरह बनाया गया था।

■ डीआरडीओ ने 23 जुलाई, 2021 को ओडिशा के तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर से नई पीढ़ी की आकाश (आकाश-एनजी) मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया गया। यह परीक्षण एक उच्च गति वाले मानवरहित हवाई लक्ष्य के विरुद्ध किया गया था जिसे मिसाइल द्वारा सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर लिया गया।

■ देश भर के शैक्षणिक संस्थान, प्रयोगशालाएं और उद्योग एक साथ मिलकर ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवाएं और विमानन क्षेत्रों में इनोवेशन पर काम करने के लिए पूंजी के लिए आवेदन कर सकेंगे। यह सुविधा डीएसटी और एसईआरबी और जेएफडब्ल्यूटीसी के बीच साझेदारी के जरिए मिलेगी।

WEEKLYDAIRY

24 जुलाई

अमेरिका में 308 मिलियन वर्ष पहले के 'माइक्रोसॉर' के एक उंगली के आकार के जीवाश्म का पता चला है। इस शोध में माइक्रोसॉर नामक एक नई प्रजाति का पता चला है, जो छोटे, छिपकली जैसे जानवर थे जो उचित डायनासोर के आने से पहले पृथ्वी पर घूमते थे।

25 जुलाई

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपनी मेघालय यात्रा के दूसरे दिन आज सोहरा (चेरापूंजी) में हरित सोहरा वनीकरण अभियान का शुभारंभ किया।मेघालय सरकार द्वारा असम राइफ़ल्स के सहयोग से यह वनारोपण अभियान चलाया जाएगा। श्री अमित शाह ने ग्रेटर सोहरा वॉटर सप्लाई स्कीम का उद्घाटन भी किया।

26 जुलाई

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने इस्तीफा देने का एलान किया है। येदियुरप्पा ने अपनी सरकार के 2 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम में कहा कि मैंने इस्तीफा देने का फैसला किया है।

अमर ज्ञान वर्ग पहेली-0569

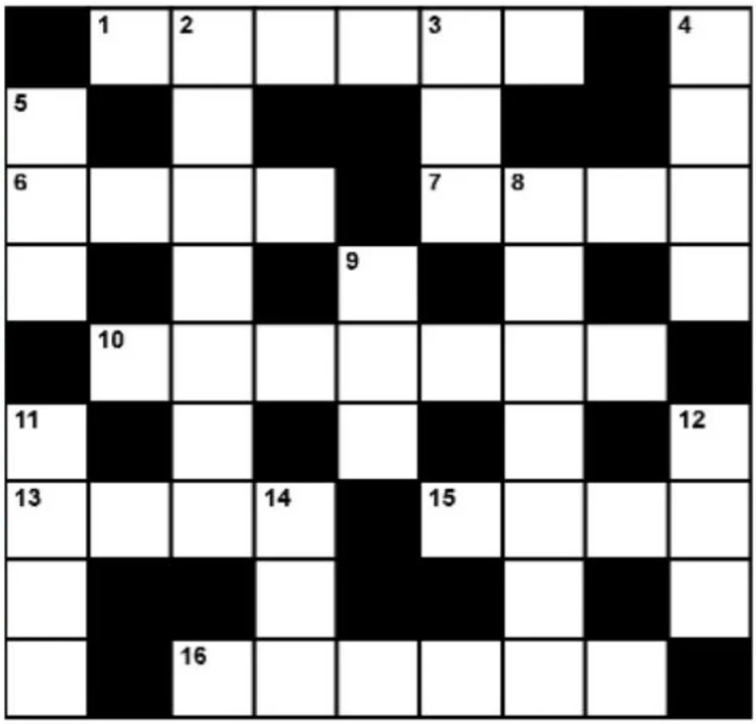

बाएं से दाएं: 7/35

1. अभ्यास करना; तप करना; पूजा करना (3,3)
6. 26 फरवरी 1925 को सेंट माइकल, बारबाडोस में जन्मे वेस्ट इंडिज के इस हरफनमौला क्रिकेट खिलाड़ी जिसका 1 जुलाई 2020 को क्राइस्ट चर्च, बारबाडोस में निधन हो गया; पांच निरंतर पारियों में शतक लगाने वाला वेस्ट इंडिज का बल्लेबाज (1,1,2)
7. तबला वादक (4)
10. जापान के सहयोग से 'आजाद हिंद फौज' का गठन करने वाले नेताजी (3,2,2)
13. भारत का रहने वाला (4)
15. थाईलैंड, लाओस व वियतनाम से घिरा एक एशियाई देश जिसका पुराना नाम कंपूचिया था (4)
16. प्रसिद्ध व्यक्ति; विख्यात नाम (2,2,2)

ऊपर से नीचे: 9/37

2. 'गुनाहों का देवता', 'ग्यारह सपनों का देश', 'प्रारंभ व समापन', 'सूरज का सातवां घोड़ा' आदि के रचनाकार (4,3)
3. चांदी; धवल; शुभ्र (3)
4. एक प्रकार का वृक्ष जिसकी छाल सुगंधित होती है; गंध वल्कल; त्वच; दारचीन (4)
5. घोड़े की देखभाल करने वाला नौकर (3)
8. दूसरों को अपमानित करने वाली बात कहना; बड़ी-बड़ी बातें बघारना; बढ़ बढ़कर बोलना (2,2,3)
9. 11 दिसंबर 1954 को धिकुर, पोखरा, नेपाल में जन्मे नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल; शिव का एक गण; सफेद कनेर; प्रतापी; बलवान; उग्र; कठिन; तीव्र; तेज; प्रखर; प्रबल; भयंकर (3)
11. मार्कंडेय पुराण के अनुसार आठवें मंवंतर के देवगण के एक देवता; शिव; सूर्य; चंद्रमा; अग्नि; मदार का पौधा (4)
12. '007 जेम्स बांड' के जनक लेखक के नाम का पहला भाग (3)
14. उत्तर भारत की एक प्रसिद्ध पवित्र नदी; यमी; रवितनया; सूर्यपुत्री (3)

- हरीश चन्द्र सन्सी
प्रस्तुति: विविधा विधा, दिल्ली

ANSWER

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0568

	1 का	2 मि	नी		3 वे	4 ध	शा	ला
5 वि		जो		6 रा		ड़		
7 ज	न	र	ल	म	लि	क		8 दा
य		म		सुं		9 न	के	ल
कु			10 लं	द	न			न
11 मा	सू	12 म		र		13 छि		ग
र		14 स	र	दा	र	प	टे	ल
		ल		स		क		ना
15 आ	दि	ना	थ		16 का	ली	न	

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...

ENGLISH GYAN

PERFECT YOUR ENGLISH

WORDS WIELD POWER

*(1.) **ADORE** - **to cherish**, to worship (किसी का बहुत सम्मान करना) During the adolescence period, my younger brother used to adore the film actors and actresses.*

*(2.) **PERPETRATE** - to carry out something such as a crime, to commit (कोई अपराध या हिंसक कार्य करना) The police have been taking all steps for searching the people who had perpetrated the last week bank frauds in the city.*

*(3.) **ABOLISH** - to annul, to abrogate, to do away with something (किसी नियम, कार्य या संस्था को समाप्त करना) The governments across the world have been seriously chalking out an effective plan to abolish the child malnourishment and illiteracy by the next decade.*

*(4.) **AGGRAVATE** – to make something worse (किसी स्थिति को बद से बदतर बना देना) Following the critical situation of the pandemic Covid-19, the conduct of digital classes to continue the education of students has aggravated the cyber bullying crises.*

*(5.) **BEFITTING** - appropriate, suitable (उचित, उपयुक्त) It is really very shocking that modern politicians have not been acting in a befitting manner for the welfare of the common masses.*

*(6.) **BEQUEATH** - to give or leave by will (वसीयत में देना) As per the court's order, my friend's father was forced to bequeath his entire family property and business houses to her.*

श्रीप्रकाश शर्मा, प्राचार्य,
जवाहर नवोदय विद्यालय, मामित, मिजोरम

क्या आप जानते हैं ?

स्कूल जाते समय या कभी घर से निकलते समय आपकी मां ने आपको रोककर कहा- बेटा, रेनकोट और छाता अपने साथ ले जाना। कई बार आपको इसका एहसास नहीं होता कि मां ऐसा क्यों कह रही है पर,जब आप अनमने ढंग से छाता लेकर निकलते हैं जबकि आसमान साफ होता है और रास्ते में आप बारिश में घिर जाते होंगे - मां को वर्षा का अनुमान पहले कैसे हो गया ? यह सब अनुमान का नतीजा है। मसलन अगर जानवर भागने लगे या समूह में एक जगह लेट जाये तो भारी बारिश का अनुमान लगाया जाता है। चींटी दीवार के सहारे ऊंचा बाम्बी बनाये, मकड़े जाले से नीचे उतरने लगे या मेंढक जोर- जोर से टर्र-टर्र करने लगे तो समझिये बारिश आने वाली है। पहले जब वर्षा अनुमान के लिए कोई यंत्र नहीं थे लोग इन्हीं सब परिस्थितियों से बारिश का अनुमान लगाते थे। कई बार अनुमान सही और कई बार यह गलत भी होता था।

मौसम अनुमान

विज्ञान ने अब काफी तरक्की कर ली और आज मौसम का अनुमान बेहद सटीक होने लगा है। यह अनुमान गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर के आ जाने से और अच्छा होने लगा है। आज हर मौसम विज्ञानी सैकड़ों वर्षों के डाटा को इकठ्ठा करता है जिसे गणित और सांख्यिकी के कई नियमों से परिक्षण कर कंप्यूटर में डालता है और परिणाम बता सकता है। यही नहीं रडार, मौसम विभाग द्वारा छोड़े गये उपग्रह से भेजे गये तस्वीर, मौसम बैलून के द्वारा इकठ्ठा किये गये जानकारी से मौसम विज्ञानी को भविष्यवाणी करना आसान रहता है। आजकल प्रतिगमन मॉडल (regression model), फौरिअर सीरीज मॉडल तथा फजी लॉजिक मॉडल का इस्तेमाल आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस या कृत्रिम बुद्धिमता तकनीक के द्वारा करके वर्षा के अनुमान को लगाया जा सकता है। यदि प्रतिमान मॉडल की बात की जाय तो यह सांख्यिकी पर आधारित है जिसमें एक परतंत्र (dependent) चर का एक या एक से अधिक स्वतंत्र चर (independent variable) के बीच में सामंजस्य स्थापित करना है । यह मॉडल वर्ग माध्य मूल (Root Mean Square) विधि पर आधारित है। आधुनिक कंप्यूटर तकनीक बूलियन अलजेब्रा – 0 या 1 तकनीक पर आधारित है और यहां हर प्रश्न के दो ही उत्तर हो सकते हैं जो हां (1) या ना (0) में होता है जैसे आज वर्षा होगी या नहीं होगी परंतु फजी मॉडल (अस्पष्ट मॉडल तकनीक) सत्यता की मानकता पर कार्य करता है और सत्य और असत्य के बीच आंशिक सत्य या आंशिक असत्य के रूप में भी काम करती है। जैसे – आज वर्षा होगी, आज वर्षा होने की भरपूर/कम संभावना है और आज वर्षा की कोई संभावना नहीं है। पहली बार 1960 के दशक में बर्कले में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के डॉ. लोटी जादेह द्वारा उन्नत किया गया था। फजी लॉजिक की तरह आजकल आर्टिफीसियल न्यूरॉन नेटवर्क तकनीक (ANN) का भी इस्तेमाल बहुत ज्यादा किया जाने लगा है। ANN तकनीक इंसानी दिमाग में स्थित न्यूरॉन से प्रेरित होकर तैयार किया गया है इसकी मदद से कंप्यूटर खुद डाटा को समझने, अनुभव के आधार पर निर्णय लेने की क्षमता रखता है और अपनी पिछली गलतियों को सुधार सकने में सक्षम है। इस तकनीक में कंप्यूटर सैकड़ों वर्ष के डाटा, राडार और उपग्रह द्वारा भेजे गये चित्रों की मदद से यह अनुमान लगाने में सक्षम होता है कि किस क्षेत्र के ऊपर हवा का दबाब अधिक या कम है और कहां हल्की और कहां मूसलाधार वर्षा होगी इसकी शुरुआत 1943 में यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के दो शोधकर्ताओं से शुरू हुई थी जिसमें वाल्टर पिट्स एक गणितज्ञ थे। आपने टेलीविजन पर भी मौसम समाचार में राज्यों या देशों के ऊपर अलग-अलग चित्र बने देखे होंगे जिसमें सफेद गोला, आधा सफेद गोला या पूरा काला गोला दिखाया जाता है, जो क्रमशः साफ वातावरण, हल्की बारिश और पूर्ण बारिश को दिखाने के लिए किया जाता है। अतः गणित की तकनीक के बिना मौसम का अनुमान लगाना असंभव है।

–डॉ. राजेश कुमार ठाकुर

INTERNSHIP ALERT

मोबाइल एप्प डेवलपमेंट इंटर्नशिप
कंपनी – लोज्ञाना सोलूशन्स
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 15,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन– https://bit.ly/AU-0206
आवेदन की अंतिम तिथि –1 सितंबर 2021

बिज़नेस डेवलपमेंट (सेल्स) इंटर्नशिप
कंपनी – टाटा टेली बिज़नेस
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 7,000-10,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन– https://bit.ly/AU-0207
आवेदन की अंतिम तिथि–1 सितंबर 2021

मार्केटिंग इंटर्नशिप
कंपनी – मोमप्रेसो
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 15,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन –https://bit.ly/AU-0208
आवेदन की अंतिम तिथि–1 सितंबर 2021

ह्यूमन रिसोर्सेज (HR) इंटर्नशिप
कंपनी – पॉजिटिव मूव्स कंसल्टिंग
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 10,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन– https://bit.ly/AU-0209
आवेदन की अंतिम तिथि–1 सितंबर 2021

कंटेंट क्रिएशन (यूट्यूब एंड इंस्टाग्राम) इंटर्नशिप
कंपनी – लाईकमाइंडस
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 15,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन– https://bit.ly/AU-0210
आवेदन की अंतिम तिथि–1 सितंबर 2021

डिजिटल मार्केटिंग इंटर्नशिप
कंपनी – एड्युगोरिल्ला
कहां – लखनऊ
वेतन – 7,000-8,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन– https://bit.ly/AU-0211
आवेदन की अंतिम तिथि–1 सितंबर 2021

वेब डेवलपमेंट इंटर्नशिप
कंपनी – मानक एनालिटिक्स एंड डेवलपमेंट
कहां – लखनऊ
वेतन – 4,500 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन– https://bit.ly/AU-0212
आवेदन की अंतिम तिथि - 1 सितंबर 2021

SCHOLARSHIP ALERT

डीएक्ससी प्रोग्रेसिंग माइंड्स स्कॉलरशिप 2021

विवरण : डीएक्ससी टेक्नोलॉजी सीएस/आईटी/ईई/ईसी स्ट्रीम में बीई/बीटेक प्रोग्राम के पहले वर्ष में पढ़ाई करने वाले छात्रों से आवेदन आमंत्रित करता है। यह स्कॉलरशिप समाज के वंचित वर्गों के मेधावी छात्रों की मदद करने के लिए है।

मानदंड : यह स्कॉलरशिप सिर्फ भारतीय नागरिकों को दी जाती है। छात्रों को वर्तमान में शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में सीएस/आईटी/ईई/ईसी स्ट्रीम में बीई/बीटेक प्रोग्राम के पहले वर्ष में अध्ययनरत होना चाहिए। उन्होंने पिछली कक्षा में कम से कम 60% अंक प्राप्त किये हों। उनके परिवार की वार्षिक आय सभी स्रोतों से 4 लाख रुपये (रुपया 4,00,000) से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक 6,000 रुपये प्रति वर्ष या इससे अधिक के किसी अन्य स्कॉलरशिप का लाभ प्राप्त नहीं कर रहे हों। डीएक्ससी/बडी4स्टडी कर्मचारियों के बच्चे इस प्रोग्राम के लिए योग्य नहीं हैं।

इनाम/लाभ : कुल फीस का 50% या 40,000 रुपये प्रतिवर्ष (जो भी कम हो)।

अंतिम तिथि : 15 अगस्त 2021

आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/DXC1

बच्चों की शिक्षा को लेकर एसोसिएशन ने खोला मोर्चा

प्राइवेट स्कूल्स ने स्कूल प्रबंधन और बच्चों के हित में सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी कर ली है। इसके लिए प्राईवेट स्कूल एंड चिल्डरन वेलफेयर एसोसिएशन का गठन किया गया है। नई दिल्ली में आयोजित एसोसिएशन की बैठक में निर्णय लिया गया कि एसोसिएशन प्राईवेट स्कूल्स के सामने सरकार की ओर से आने वाली किसी भी तरह की समस्याओं को लेकर भी मदद करेगी।

एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शमील अहमद और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने कहा कि कोविड महामारी की वजह से सारे प्राईवेट स्कूल्स मुश्किल में आ गये हैं। सरकार की ओर से किसी भी तरह का सहयोग प्राप्त नहीं हो रहा है। सरकार के असहयोग और उदासीनता की वजह से इन स्कूल्स में पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य भी खतरे में पड़ गया है। सरकार बिलकुल भी प्राईवेट स्कूल्स के फेवर में नहीं है। दिल्ली सरकार से कई बार मांग की गई कि स्कूलों के बारे में सोचा जाये, लेकिन सरकार और अधिकारियों की ओर से कोई सुनवाई नहीं की जा रही है।

शमील अहमद और कुलदीप शर्मा ने आगे कहा कि सरकार केवल अपनी राजनीति चमकाने में लगी है, प्राईवेट स्कूल्स को इसी राजनीति की भेंट चढ़ाया जा रहा है। पब्लिक स्कूलों को एफिलिएशन या अन्य किसी भी तरह की समस्याएं आती हैं तो हमारी एसोसिएशन इस मामले में भी प्राइवेट स्कूलों के प्रबंधन का सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इन स्कूल्स के सामने और भी समस्याएं आने वाली है, इसीलिये इस एसोसिएशन का गठन किया गया है।

ओएनजीसी स्कॉलरशिप टू मेरिटोरियस जनरल केटेगरी स्टूडेंट्स 2020-21

विवरण : ओएनजीसी स्कॉलरशिप टू मेरिटोरियस जनरल केटेगरी स्टूडेंट्स 2020-21 सोसायटी के मार्जिनलाइज्ड सेक्शन से संबंध रखने वाले स्टूडेंट्स के लिए विशेष स्कॉलरशिप अपॉर्चुनिटी है जो इंजीनियरिंग, एमबीबीएस, एमबीए या जियोफिजिक्स/ जियोलॉजी प्रोग्राम में मास्टर्स के फर्स्ट ईयर में पढ रहे हैं। इस स्कॉलरशिप का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। यह स्कॉलरशिप केवल उन्हीं छात्रों के लिए है, जिन्हें शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में प्रवेश मिला है।

मानदंड : यह फेलोशिप 30 वर्ष से कम आयु के जनरल उम्मीदवारों के लिए खुली है, जो इंजीनियरिंग या एमबीबीएस कोर्स में फर्स्ट ईयर की ग्रेजुएशन डिग्री या जियोलॉजी / जियोफिजिक्स या एमबीए प्रोग्राम में फर्स्ट ईयर के मास्टर डिग्री छात्र हैं। उनकी कुल पारिवारिक आय सभी स्रोतों से प्रति वर्ष रू 2 लाख से कम होनी चाहिए। उन्होंने इंजीनियरिंग और एमबीबीएस कोर्स के लिए कक्षा 12 में न्यूनतम 60% अंक या समकक्ष सीजीपीए / ओजीपीए और जियोलॉजी / जियोफिजिक्स और एमबीए में पीजी कोर्स के लिए ग्रेजुएशन में न्यूनतम 60% अंक या समकक्ष सीजीपीए / ओजीपीए किया होना चाहिए। (नोटः ग्रेडिंग सिस्टम के 10 पॉइंट स्केल में न्यूनतम सीजीपीए/ओजीपीए 6.0 होना चाहिए)।

इनाम/लाभ : 48000 रुपये प्रति वर्ष

अंतिम तिथि : 06 अगस्त 2021

आवेदन कैसे करें : ऑनलाइन और पोस्ट द्वारा

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/OSB8

आईआईटी बीएचयू वाराणसी जूनियर रिसर्च फैलोशिप 2021

विवरण : आईआईटी बीएचयू वाराणसी डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग जूनियर रिसर्च फैलोशिप 2021 एक रिसर्च अपॉर्चुनिटी है जो एमई/एम टेक डिग्री होल्डर्स को दी जाती है। चुने हुए कैंडिडेट्स को एक प्रोजेक्ट पर काम करने की जरूरत होती है जिसका टाइटल है - "डेवलपमेंट ऑफ साइबर रेजिलेंट प्रोटेक्शन स्कीम फॉर एसी माइक्रोग्रिड".

मानदंड : फेलोशिप 28 वर्ष से कम आयु के उन उम्मीदवारों के लिए है, जिनके पास पावर सिस्टम में स्पेशियलाइजेशन या इसके इक्विलेंट में न्यूनतम 60% अंकों या सीजीपीए के साथ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में एमई/एम.टेक डिग्री है। इसके अलावा, उन्होंने गेट/ नेट क्वालिफाई किया।

इनाम/लाभ : 35,000 रुपये तक प्लस एचआरए

अंतिम तिथि : 06 अगस्त, 2021

आवेदन कैसे करें : केवल ईमेल द्वारा।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/IBVE0